BALAJI
तमसो मा ज्योतिर्गमय

बा बापू 150

कन्याकुमारी से गोवा

(19 से 30 अप्रैल 2017)

बा बाप 150 संवाद जारी

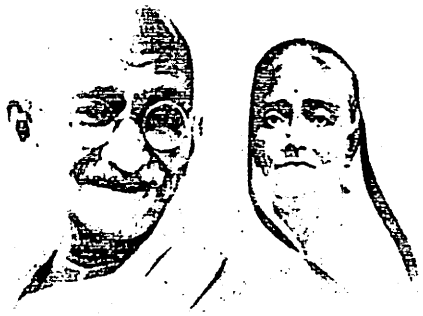

'बा बापू 150'

कन्याकुमारी से गोवा यात्रा

19 से 30 अप्रैल, 2017

लेखक

रमेश चंद शर्मा

BALAJI तमसो मा ज्योतिर्गमय

Balaji Publications

The Easiest Way to Knowledge...

D-9, Adarsh Nagar, Ballabhgarh

Faridabad-121004 (Haryana)

Ph. : 0129-2242234, 09350702234, 09312502234, 09810242234

Website : www.balajipublication.com

Published By :-
BALAJI PUBLICATIONS
The Easiest Way to Knowledge...
D-9, Adarsh Nagar, Ballabhgarh
Faridabad-121004 (Haryana)
Phone : 0129-2242234, 09350702234, 09312502234
Website : www.balajipublication.com

Edition - 2018

बा बापू 150

Laser Typesetting :-
BALAJI GRAPHICS,
Faridabad

Printed at :-
RONIZA PRINTERS,
Faridabad

चंद शब्द

बा बापू 150 के निमित्त, अन्तर्गत पिछले दो वर्ष में अनेक कार्यक्रम आयोजित केए गए और यह प्रक्रिया, श्रृंखला दिनों दिन बढ़ती जा रही है। देश भर में अनेक ाथियों, मित्रों, सहयोगियों, समूहों, संस्थाओं, संगठनों ने बा बापू 150 के नाम से पने अपने स्तर पर योजना बनाकर कार्यक्रम प्रारम्भ किए हैं, यह प्रसन्नता की बात ।

भय, भेद, भ्रम, भूख, भीख, भ्रष्टाचार, नशा, कर्ज, असहिष्णुता, नफरत, देखावा मुक्त भारत को गांधी विचार जहाँ एक ओर व्यक्ति एवं गांव स्तर पर काम को बढ़ावा देता है, वहीं दूसरी ओर विकेन्द्रीकरण से आगे बढ़ते हुए अन्तिम व्यक्ति के सशक्तिकरण, स्वावलम्बन, स्वराज, ग्राम स्वराज्य का सपना साकार करना ाहता है। इसे आधार मानकर बा बापू 150 के कार्यक्रम जन जन तक पहुंचे, इसका ायास जारी है।

अभी तक इस सम्बन्ध में हम लोगों ने अपने स्तर पर इसके अन्तर्गत यात्रा, ादर्शनी, गोष्ठी, रैली, सर्वधर्म प्रार्थना, कार्यशाला, गीत, खेल, संगीत, संवाद, चर्चा, भा, बैठक, प्रतियोगिताओं के आयोजन के माध्यम से विचार प्रचार–प्रसार का सतत् ायास किया है। समय–समय पर इसकी जानकारी दी भी गई है। विचार प्रचार–प्रसार एवं जन–जन तक पहुंचने का यात्रा एक सशक्त माध्यम है। बा बापू 150 के निमित्त भी तक छोटी–बड़ी अनेक यात्राओं का आयोजन हुआ है, उनमें से कुछ मुख्य यात्रा ह हैं – कन्याकुमारी (तमिलनाडु) से गोवा, 19 से 30 अप्रैल, 2017 जिसकी एक लक आप इस पुस्तिका में देख सकेंगे।

बा बापू 150 के निमित्त जल साक्षरता यात्रा राजघाट, नई दिल्ली से बीजापुर र्नाटक से डौला (उत्तर प्रदेश) 25 जुलाई से 24 अगस्त 2017; आयोजक : तरूण ारत संघ, जल बिरादरी, जल जन जोड़ो अभियान, ग्रामीण एवं पर्यावरण विकास ंस्था, गांधी युवा बिरादरी। मुख्य यात्रा क्षेत्र : राजघाट, पश्चिम उत्तर प्रदेश, बागपत, ाजियाबाद, दिल्ली, हरियाणा, मेवात, अलवर, भीकमपुरा किशोरी, जयपुर, अजमेर, चेतौड़गढ़, बांसवाड़ा, दाहोद, गोधरा, पंचमहल, छोटा उदेपुर, वड़ोदरा, सूरत, वेडछी,

दांडी, बारडोली, तापी, नवसारी, वलसाड, मुम्बई, पूणे, सोलापुर, सांगली, इंदा बीजापुर (कर्नाटक) नांदेड, यवतमाल, वर्धा, सेवाग्राम, गोपुरी, पवनार, नागपूर, होशंगा भोपाल, ललितपुर झांसी, औरक्षा, ग्वालियर, आगरा, मथुरा, दिल्ली, डौला (उ प्रदेश)।

सांवतवाडी (महाराष्ट्र) से साबरमती आश्रम, अहमदाबाद (गुजरात) 2 से 11 अक्त 2017 (गांधी जयंती से जय प्रकाश जयंती तक)

आयोजक : नेचर लाईफ इन्टरनेशनल, केरल, पीसफुल सोसायटी, गोवा, संवे ट्रस्ट, वीरमपुर, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, गुजरात, गांधी युवा बिरादरी, दिल

मुख्य यात्रा क्षेत्र : सांवतवाडी, गोपुरी आश्रम कनकवली, ओनी, चिपलून, पोलाउ महाबलेश्वर, वाई, ऊरली कांचन, पूणे, आगाखां पैलेस, यरवडा जेल, सांगम नासिक, सापुतारा, डांग, अहवा, वेडछी, व्यारा, तापी, सूरत, ऊका विश्वविद्य बारडोली, सरदार आश्रम, भीमराड (दांडी कूच गांव) किम, उमरेछी (दांडी कूचम पालडी, वडोदरा, खेडा, जिला बोचासण, पं. रविशंकरजी महाराज की सम बामणगांव, देथली, ऋण, गुजरात विद्यापीठ, नव गुजरात कॉलेज, सांबरमती–आ अहमदाबाद।

बल्लभगढ़ (हरियाणा) से सीवान (बिहार) 20 से 28 दिसम्बर, 2017 आयोज बालाजी शिक्षण संस्थान एवं गांधी युवा बिरादरी; मुख्य क्षेत्र : मथुरा, आगरा, मैन एटा, लखनऊ, अयोध्या, गोरखपुर, देवरिया, सीवान।

विशेष कार्यक्रम : बा बापू 150 प्रदर्शनी, वृक्षारोपण, कौमी एकता के प्रतीक, स्वत सेनानी, गांधी-जी के अभिन्न प्रिय मित्र मौलाना मजहरूल हक जयंती समारो अवसर पर गोष्ठी एवं मुशायरा।

गांधी विचार आपके द्वार, शांति सद्भावना यात्रा, 11 से 15 फरवरी, 2018 आयोज गांधी विचार युवा वाहिनी, ग्राविस, जोधपुर, राष्ट्रीय युवा योजना, नई दि (जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर)।

मुख्य क्षेत्र : जोधपुर, इन्दों की ढाणी, ओसिया, बाप, पंचायत समिति बाप, दिय बीकानेर, कलरां शरीफ, मदरसा कलरां शरीफ, गोपालपुरा, खारा, रामदेवरा, पोर ऊजंला, साकड़ा, जैसलमेर, सोइनारा, शेरगढ़, विरात्रा, चौहटन, धीरासर, भुजा की ढाणी, पोकरासर, बाड़मेर, जोधपुर। डा. एस.एन. सुब्बाराव, श्री त्रिलोत गौलछा, श्रीमती शशि त्यागी ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर प्रारम्भ किया।

उपरोक्त सभी यात्राओं का नेतृत्व करने का सुअवसर साथियों ने मुझे दिया, इसे मैं अपना सौभाग्य मानता हूँ। इनके अलावा 2016 से लेकर अभी तक अनेक छोटी–छोटी यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित की गई हैं और आगे भी यह क्रम जारी रहेगा।

बा बापू 150 कन्याकुमारी से गोवा यात्रा की यह रिपोर्ट छप रही है, आशा है अन्य यात्राओं की रिपोर्ट भी इसी प्रकार प्रकाशित होगी।

इन यात्राओं के आयोजकों, यात्रियों, सहयोगियों, साथियों, स्थानीय स्तर पर एवं समग्र रूप से व्यवस्था करने वाले साथियों, समूहों, संगठनों, संस्थाओं के प्रति आभार प्रकट करना अपना परम कर्त्तव्य मानता हूँ। बा बापू 150 की ओर से सभी साथियों का जिनका किसी भी प्रकार से साथ, सहयोग, शुभकामना, आशीर्वाद मिला उनके प्रति तहे दिल से आभार, धन्यवाद।

सादर जय जगत।

– रमेश चंद शर्मा

विशेष आभार

'बा बापू 150' यात्रा रिर्पोट तैयार करने में श्री सुबोध, डॉ. अंकित शर्मा, युवा आर्टस्, युवा शिक्षाविद् श्री जगदीश चौधरी की उर्जा ने प्रेरक कार्य किया है, उनके प्रति विशेष आभार प्रकट करना जरूरी है। इनकी मेहनत, हिम्मत, सहयोग, साथ, मदद से ही इस रिपोर्ट का प्रकाशन संभव हो सका है। आशा एवं विश्वास है कि भविष्य में भी इनका भरपूर सहयोग हमें मिलता रहेगा और भविष्य में भी समय–समय पर बा बापू 150 की रिपोर्ट आप तक पहुंचती रहेगी।

हम विशेष तौर पर आभार प्रकट करना चाहते हैं – नेचर लाईफ इन्टरनेशनल, पीसफुल सोसाइटी, संवेदना ट्रस्ट, गांधी युवा बिरादरी, जन आरोग्य प्रस्थानम्, शांति ग्राम, पीपुल्स अपलिफ्टमेंट इन रूरल एरिया (पुरा), गुजरात विद्यापीठ, तरूण भारत संघ, जल जोड़ो अभियान, जल बिरादरी, ग्रामीण एवं पर्यावरण विकास संस्था, गांधी विचार युवा वाहिनी, ग्राविस, राष्ट्रीय युवा योजना, बालाजी शिक्षण संस्थान।

बालाजी प्रकाशन ने रिपोर्ट प्रकाशन की पूरी जिम्मेदारी प्रमुखता से उठाकर 'बा बापू 150' को भरपूर सहयोग प्रदान किया है। तहे दिल से हम उनके प्रति आभार प्रकट करते हुए आशा एवं विश्वास रखते हैं कि भविष्य में भी उनका इसी प्रकार हमे सहयोग एवं सहकार मिलता रहेगा।

इसके साथ ही हम समस्त उन लोगों का जिनका प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष 'बा बापू 150' किसी प्रकार का सहयोग, सहकार, समर्थन एवं आर्शीवाद प्राप्त हुआ है, उनके प्रति भी हम हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

सादर जय जगत।

आपके अपने
रमेश चंद शर्मा एवं
'बा बापू 150' के साथीगण

बा बापू 150 यात्रा

बा (कस्तूरबा गांधी) एवं बापू (मोहनदास कर्मचंद गांधी) दोनों ने एक दूसरे के जीवन को सुधारने, संभालने, समझने, जानने, अपनाने, उसे सशक्त, सुदृढ़, प्रभावशाली बनाने तथा सत्य की राह पर चलने के लिए परस्पर पूरा–पूरा साथ दिया। जीवन की राह में खट्टे–मीठे, छोटे–बड़े चुनौती भरे अनुभव आए, उनसे सीख़ लेकर आगे बढ़ते गए। एक दूसरे को साथी, सहयोगी, गुरू, शिष्य जिस भी रूप में अपने को माना और जीवन को समाज, जन हित में आगे बढ़ाते गए। दुनिया के इतिहास में ऐसे किसी दूसरे युगल (जोड़ी) को ढूंढ़ पाना बहुत ही मुश्किल नजर आता है। सत्य के प्रयोग करते हुए, सत्य की राह पर चलने के लिए जीवन भर कर्मठता से कार्यशील रहे। भूलें हुई, सुधार किया मगर जीवन में दुबारा उसी भूल को दोहराया नहीं। सत्य के प्रयोग के सहारे मानवता की सेवा करने की राह पर, अहिंसा, प्रेम, सत्याग्रह, रचनात्मक सोच के बल पर सक्रिय, कर्मठ जीवन जीने वाले, एकादश व्रत का पालन करने वाले बा–बापू की 150वीं जयंती 2019 में आ रही है। इस अवसर को निमित बनाकर बा–बापू 150 के कार्यक्रम बनें, चलें यह विचारं लेकर साथियों से साझा कर इस योजना की रूपरेखा बनाकर तैयारी प्रारंभ की, कदम उठाए, बढ़ाए और दिनों दिन जन सहयोग से सतत आगे बढ़ती जा रही है।

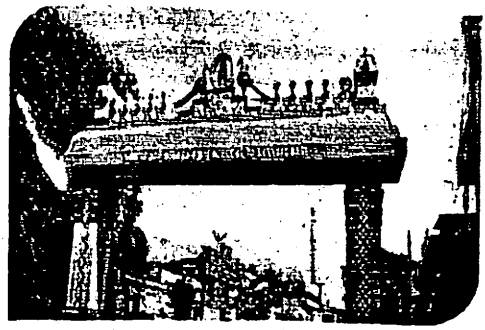

इसी कड़ी के तहत कन्याकुमारी से गोवा तक की बा–बापू 150 यात्रा, 19 से 30 अप्रैल, 2017 तक आयोजित की गई। कन्याकुमारी देश का एक छोर, जहाँ हिन्द महासागर, अरब सागर एवं बंगाल की खाड़ी तीनों की लहरों का नृत्य देखने का सुअवसर मिलता है,

सूर्योदय का अद्भूत नजारा देखने को मिलता है, और सागर भारतमाता के चरण कमल सदैव धोता रहता है। यहां स्थित महात्मा मंडपम् से बा–बापू 150 यात्रा का शुभारम्भ हुआ। यात्रा को विदाई देने के लिए महात्मा मंडपम् पर भारी संख्या मे लोगों की उपस्थिति हुई, कार्यक्रम का प्रारम्भ सर्व धर्म प्रार्थना से हुआ। इस कार्यक्रम के लिए कन्याकुमारी के विद्यायक श्री एम. त्यागराजन, गोवा से आए साथी श्री कुमार कलानंद मणि, सुश्री एस. जाँसी एम.ए., श्री एल. पंकज एक्शन, डा. जैकब वडक्कनचेरी, श्री रमेश चंद शर्मा ने अपनी बातें रखी। कन्याकुमारी तीनों समुद्रों का समन्वय स्थल है।

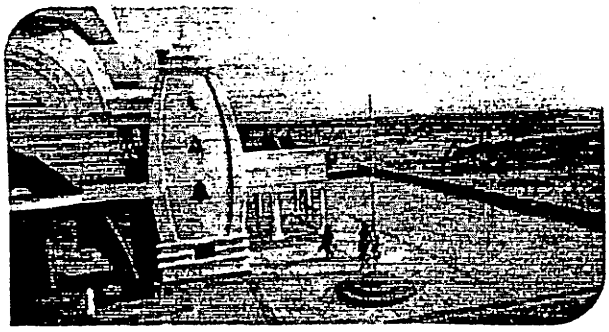

हिन्द महासागर, अरब सागर, बंगाल की खाड़ी, इसको भव्यता प्रदान करते है हर पल, हर क्षण सागर का संगीत यहां गूंजता रहता है, गुनगुनाता हुआ संगीत की लहरें पैदा करता है। गांधी मंडपम् के सामने तमिलनाडु की

सांस्कृतिक टोली ने अपने शानदार परम्परागत करतबों से जनमानस का हृदय जीत लिया। एक ओर सागर की लहरों का संगीत तो दूसरी ओर इस टोली के मृदंग की थाप पर उठते हुए कदम लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे थे।

यात्रा प्रारम्भ करने से पूर्व आयोजित स्वागत सभा में तमिलनाडु, केरल एवं अन्य स्थानों से आए सभी साथी, यात्री दल के साथ वाई.एम.सी.ए. रूरल सेन्टर में एकत्र हुए, जहां पहला कार्यक्रम गोष्ठी के रूप में प्रारम्भ हुआ, इस गोष्ठी में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी रही। यहां यात्री दल का भव्य स्वागत पारम्परिक ढ़ंग से स्थानीय साथियों के द्वारा किया गया।

सुबह से इस कार्यक्रम की श्रृंख्ला में वाई.एम.सी.ए. रूरल सेन्टर के सभागार में कन्याकुमारी के जिला मजिस्ट्रेट(डी.एम.) श्री जॉन संतोषम् ने गोष्ठी का उद्घाटन किया, शांति ग्राम के श्री एल.पंकज एक्शन, श्री आईएक सिंह, सुश्री एस. जॉसी एम. ए., डा. जैकब वडक्कनचेरी, श्री रमेश चंद शर्मा सहित् अनेक लोगों ने अपनी बात

रखी। श्री जॉन संतोषम् (डी.एम.) ने यात्री दल का उपहारों के साथ सम्मान, स्वागत किया तथा यात्रा को प्रतीक चिन्ह भी भेंट किए।

तमिलनाडु की पारम्परिक पद्धति से यात्रा का भव्य स्वागत हुआ। युवा सांस्कृतिक टोली ने मृदंग बजाते हुए, नृत्य के साथ एक अद्भूत माहौल बनाया। मृदंग की थाप पर, लयबद्ध ताल के साथ उठते कदम घूमते, मटकते उछलते शरीर कला का जानदार, शानदार प्रदर्शन करते हुए जन मानस में एक नया जोश, उत्साह भर रहे थे। उनकी उर्जा भरी प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया, मंत्र मुग्ध दर्शक उनके साथ झूम रहे थे।

इस मौके पर नाटक गीत, संगीत, नुक्कड़ नाटक जो समाज के ज्वलंत मुद्दों से जुडे थे कि प्रस्तुति ने कार्यक्रम को अधिक सार्थक बना दिया। इस कार्यक्रम ने यात्रा के विचारों को गीत, संगीत, नाटक के ढ़ंग से प्रस्तुत कर व्यापक आधार बनाया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय, दिल्ली द्वारा प्राप्त बा–बापू प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। महिलाओं ने इसमें विशेष रूचि दिखाई। कार्यक्रम में महिलाओं की बड़ी तादाद में भागीदारी ने उत्साहवर्द्धन किया, कार्यक्रम की शोभा, उपयोगिता बढ़ाई।

गोष्ठी एवं यात्रा उद्धाटन में वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए यात्रा के महत्व, उद्देश्य विचार एवं बा बापू के संदेश को रखा। अनेक वरिष्ठ साथियों ने विचार प्रस्तुत करते हुए यात्रा के विभिन्न पहलूओं एवं बा–बापू के जीवन की विभिन्न घटनाओं की चर्चा पर प्रकाश डाला। यात्रा के दौरान हुए कार्यक्रमों में भी यह आवाज सशक्त ढ़ंग से बुलंद होती रही। वक्ताओं ने आज की समस्याओं मुख्यतः पर्यावरण, हिंसा, भय, नारी–बाल समस्या, नशा, मानवीय मूल्य के घटते स्तर, ग्राम संस्कृति, ग्रामोद्योग, कृषि, किसानी, जवानी, विकास के नाम पर जनता के साथ हो रहा धोखा, लूट, शोषण, राजनीति के गिरते स्तर, समाज में फैलाई जा रही नफरत, द्वेष, साम्प्रदायिकता, भेद भाव, शिक्षा एवं स्वास्थ्य की दिशा एवं दशा, जल, जंगल, जमीन के सवालों पर चिन्ता व्यक्त की तथा बापू के विचारों में इनका समाधान बताया। गांधी जी की राह पर चल कर हम इन समस्याओं का समाधान ढूंढ़ सकते है। समाज को सही दशा और दिशा दिखा सकते है। स्वावलंबी, एकता, सौहार्द, सद्भावना, श्रमाधारित समाज की ओर बढ़कर देश को सशक्त मानवीय समाज प्रदान कर सकते है।

जहां समाज देश, मानवता के सामने खड़ी समस्याओं के समाधान के लिए गांधी मार्ग हमें राह दिखा रहा है। सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलकर ही हम मानवता

की सेवा कर सकते है, सच्चा विकास प्राप्त कर सकते है, प्रकृति के साथ गहरा संबंध रखते हुए आगे बढ सकते है। भय मुक्ति, हिंसा मुक्ति, नशा मुक्ति, शोषण मुक्ति, भेद मुक्ति के द्वारा हम समता, सौहार्द, सद्भावना, एकता, प्रेम का समाज बनाकर स्वराज, स्वावलंबन की राह पर बढ़ते हुए मानवीय समाज का निर्माण कर सकते है। यह समाज प्रकृति से मित्रता, सहभागिता, सहयोग का भाव रखते हुए विश्वदृष्टि से स्थानीय जीवन जीने की राह पर चलेगा। सामाजिक, आर्थिक, स्वास्थ्य, शैक्षणिक राजनैतिक आदि के हर स्तर पर स्वराज को साकार करने का विकल्प, संकल्प जन जन तक पहुँचाने के लिए बा–बापू 150 यात्रा प्रारम्भ की जा रही है।

बा–बापू ने देश–दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों को इस राह पर चलने की प्रेरणा प्रदान की है। दक्षिण अफ्रीका में इतिहास के नए अध्याय लिख, अपने देश में सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह की नई भूमिका प्रकाशित कर, जन जन को भय मुक्त कर, प्राणवान बनाया। चम्पारण, खेडा, नमक सत्याग्रह जैसे सफल सत्याग्रह आज भी हमें दिशा प्रदान कर रहे है, मार्ग दर्शन कर रहे है। 2017 चम्पारण सत्याग्रह का 100वां वर्ष है, चम्पारण सत्याग्रह की शताब्दी मनाई जा रही है। इस अवसर पर यात्रा प्रारंभ करना बा–बापू का सही रूप में याद करना, उनके विचारों को जीवन में उतारना, विचारों का जन जन में प्रचार प्रसार करना, उनके अनुसार कदम उठाना, योजना बनाना, गांव, ग्रामोद्योग, कृषि, घरेलू उद्योगों की धारा को पुनः प्रवाहित करने का माहौल बनाना है। इन अपने विचारों के प्रति अधिक सजग, सक्रिय होने का यह अवसर है।

कन्याकुमारी में प्रभावशाली ढंग से यात्रा के कार्यक्रम, स्वागत, गोष्ठी, उद्घाटन का आयोजन करने वाले साथियों का बा–बापू 150 यात्रा तहेदिल से आभार, धन्यवाद, शुक्रिया प्रकट करते हुए हर्ष का अनुभव कर रही है।

बा–बापू 150 यात्रा–एक झलक

कन्याकुमारी से गोवा, 19 से 30 अप्रैल, 2017

राज्य	:	तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, गोवा
प्रारंभ	:	गांधी मण्डपम्, कन्याकुमारी, तमिलनाडु
समापन	:	पीसफुल सोसाएटी, गोवा
जिले	:	कन्याकुमारी, त्रिवेन्द्रम, कोट्टयम, क्यूलोन, एलेप्पी, एरनाकुलम, त्रिशूर, मलुपुरम, कोज़ीकोड, कन्नूर, कासरगोड, पालाक्काड, मंगलौर, उत्तर कन्नड़ा, गोवा
वाहन	:	जीप(यात्रा वाहन),कार, टेम्पो ट्रेवलर, बस

यात्री दल : श्री रमेश चंद शर्मा (दिल्ली) – यात्रा नायक,
डा.जैकब वडक्कनचेरी (केरल) – उपनायक
लक्ष्मण गायकवाड (महाराष्ट्र), पी. कुमार, सुबोद, कुय्यम कुंचीरमण (केरल)

आयोजक : डा. जैकब वडक्कनचेरी, नेचर लाईफ इन्टरनेशनल केरल,
श्री कुमार कलानंद मणि, पीसफुल सोसायटी, गोवा,
श्री हसमुख पटेल, संवेदना ट्रस्ट वीरमपुर, गुजरात,
श्री रमेश चंद शर्मा, गांधी युवा बिरादरी, दिल्ली

संवाद : गोष्ठी, जन सभा, नुक्कड़ सभा, चर्चा, प्रश्नोत्तर, आंदोलनों में भागीदारी, प्रदर्शनी, प्रार्थना, गीत, संगीत, नृत्य, नाटक, नुक्कड़ नाटक, बातचीत, साहित्य प्रचार–प्रसार, शांति मार्च,

विषय / मुद्दे : भेद, भय, भूख, भ्रम, भ्रष्टाचार, कर्ज, हिंसा, नशा, असहिष्णुता, नफरत, दिखावा एवं शोषण से मुक्ति।
शांति, सद्भावना, सौहार्द, एकता, निडरता, समता, स्वावलम्बन, स्वास्थ्य, स्वराज, ग्राम स्वराज्य, विकास की अवधारणा, ग्रामोद्योग, पर्यावरण, जल, जंगल, जमीन, जीवन शैली, सत्याग्रह, सत्य, अहिंसा, सर्व धर्म समभाव पूर्ण भारत।

कार्यक्रम : वाई. एम. सी. ए., महात्मा मंडपम् कन्याकुमारी, चपाथ, मार्थन्डम, एस. एन. एस. पुस्तकालय, अरूमनुर, त्रिवेन्द्रम कोस्टल डेवलपमेंट सोसायटी, पुथीयतुरा, त्रिवेन्द्रम, वेलयानी लेक, वेंगनूर पंचायत, बस स्टैण्ड कोल्लम, अरूवी प्रकृति होटल, ओचेरा, कयाकुलम, वेटीकोड, चेंगनूर, गांधी मूर्ति चेंगनाशेरी, संकेतम आश्रम, मीडिया विलेज, चेंगनाशेरी, एल्लापापुर, एल्लेप्पी, एल्लेप्पी बीच, चम्पाक्करा, कल्लेनशेरी नारकाल, वाईपीन, पुतुवाईप, जी.पी.एफ. सेंटर एरनाकुलम, फूडफार ऑल, मूझीकुलम साला, त्रिशूर, कुटीपाल, इडीपाल, पुथानथानी, रंडाथानी, मालापुरम, पालाक्काड जिला कार्यालय, कुंतीपुझा, कुडुवल्ली, कोझीकोड, सीविल स्टेशन मार्केट मान्चीरा, पाप्यमवलम, कन्नूर, चेमफेरी, कुडीयानमाला, मंडलम, स्टेडियम काम्पलेक्स कन्नूर, प्राकृतिक मेला, महात्मा मंदिरम्, कन्हनमाड, सक्लेश्वर, कासरगाड, मंगलौर, आध्यात्मिक केन्द्र (स्वरूपा), सूरतकुल, टैगोर पार्क, महात्मा

गांधी पीस फाउण्डेशन मंगलौर, रोटरी क्लब कुमटा, पीसफुल सोसायटी गोवा।

विशेष : **आंदोलन संपर्क, संवाद, समर्थन**– नशा मुक्ति आंदोलन, कुटीपाल, ईडीपाल, मालापुरम, जल सत्याग्रह (कोका कोला विरोध) पालचीमाड़ा, पालक्काड़, एलपीजी प्लांट विरोध, पुदुवाईप, वाईपीन द्वीप भूमि अधिग्रहण, रोजगार, स्वास्थ्य स्वराज, जनआरोग्य प्रस्थानम् केरल

मानवीय मूल्यों के आधार पर जीवन जीने वाले साथियों, समूहों संगठनों, संस्थाओं से संपर्क, संवाद, बातचीत करने में यात्रा सहायक बनी, इससे संबंध सुदृढ़ हुए, नये संपर्क, संबंध बने। बा बापू 150 यात्रा जन जन तक पहुँचने का माध्यम बनी और आगे भी बनी रहेगी। यात्रा के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचा जा सकता है। यात्रा एंक सशक्त माध्यम है।

यात्रा में जो जन सहयोग प्राप्त हुआ वह उत्साहवर्द्धक, सराहनीय, प्रेरणादायी रहा। स्थानीय स्तर पर जहां भी यात्रा पहुँची वहां सक्रिय साथियों, जागरूक नागरिकों, मित्रों, संस्थाओं, संगठनों, समूहों ने जो व्यवस्था की, कार्यक्रम आयोजित किए, वह बहुत ही अच्छे रहे, बड़ी संख्या में जन भागीदारी हुई, जन सहयोग, सहकार के दम पर ही यह सब संभव हो सका।

मंगलौर में स्वरूप अध्ययन केन्द्र के छात्र–छात्राओं ने शांति मार्च में बापू की जो मूर्ति की जीवंत झांकी प्रस्तुत की वह भुलाई नहीं जा सकती है। मूर्ति बने छात्र–छात्रा चल रहे थे मगर लग रहा था कि जैसे मूर्तियां चल रही हो। शहर के लोगों का, सड़क पर चलते वाहनों का ध्यान भी इन मूर्तियों ने अपनी ओर विशेषतौर पर

आकर्षित किया। इनको देखने के लिए सड़क पर वाहन रूक जाते थे और बार बार अनुरोध, ईशारा करने पर ही आगे जाते थे। सड़क पर चलने वाले लोग इन मूर्ति बने छात्र छात्राओं के साथ कुछ दूरी तक साथ साथ चलते थे। बच्चों का यह बहुत ही प्यारा अद्‌भूत प्रयास रहा। इसका जनता पर बहुत ही अच्छा प्रभाव पड़ा। बच्चों की यह तपस्या सदा याद रहेगी। नन्हें प्यारे प्यारे बच्चों की हिम्मत को सलाम।

यात्रा का पहला कार्यक्रम कभी कभी सुबह सवेरे 5 बजे हुआ तो अंतिम कार्यक्रम रात को 9 बजे प्रारंभ हुआ। लोगों का प्यार, रूचि, लगाव देखकर यात्री दल का उत्साह इतना बढ़ा रहता था कि सभी यात्रियों ने ऐसे समय होने वाले कार्यक्रमों में भी उसी उत्साह, लगन से भागीदारी की । सुबह सवेरे का कार्यक्रम कर्नाटक के सूरतकुल में हुआ तो रात का कार्यक्रम कोझीकोड केरल में।

एलेप्पी बीच पर आयोजित बैठक, रविवार को छुट्‌टी के दिन, बीच पर भारी जन समूह की उपस्थिति ने यात्रा के कार्यक्रम को एक और यादगार बना दिया। बैठक लगभग तीन घंटे चली लोग ध्यान से, गौर से सुनते रहे। यहां भी बा–बापू प्रदर्शनी को बड़ी संख्या में लोगों ने देखा। स्थानीय साथियों की यह बढ़िया योजना रही। रात देरी से यात्रा अगले पड़ाव के लिए बढ़ी। जनता से जुड़ने के नये नये तरीके तलाशते रहना चाहिए, अपनी बात तभी हम जनता के सामने सही ढंग से रख पाएंगे।

केरल की यह बात बहुत अच्छी एवं सराहनीय लगी कि वहां बाजार के मध्य चौराहे, कोने पर कहीं भी, जहां स्थान उपलब्ध है आम सभा की जा सकती है। दुकानदार, ग्राहक, पैदल चलने वाले सभी श्रोता के रूप में रूचि लेकर सुनते एवं भागीदारी करते हैं। आश्चर्य की बात है कि इस तरह की व्यवस्था में पुलिस की उपस्थिति कहीं भी नजर नहीं आई। सभा करने वाले ही लोग ऐसी व्यवस्था रखते

है कि यातायात भी चलता रहता है, दुकानदारी भी चलती रहती है तथा आम सभा, कार्यक्रम भी चलता रहता है, यह सभा चाहे सैकड़ों में हो या हजारों में लोग व्यवस्थित ढंग से सड़क के किनारे ढंग से बिना किसी को रोके खड़े होते है। जबकि कुछ शहरों में देखनें को मिलता है, विशेषकर दिल्ली में सभा में जितने लोग होते है, उससे कहीं ज्यादा अनेकों बार पुलिस प्रशासन ज्यादा नजर आता है। केरल से यह सीखना चाहिए, अपनाना चाहिए। स्वानुशासन लोकतंत्र की रीढ़ है। स्वानुशासित जनशक्ति ही लोकतंत्र की सच्ची शक्ति और समझ है।

दुर्भाग्य है कि पुलिस प्रशासन की उपस्थिति नागरिकों के मन में सुरक्षा के बजाए दबाव, डर, अविश्वास, असुरक्षा का भाव ज्यादा जगाती है। जबकि पुलिस प्रशासन की उपस्थिति मन में सुरक्षा, विश्वास, मैत्री, निर्भयता, सहजता, का भाव उत्पन्न करे, ऐसी छवि पुलिस प्रशासन की बननी चाहिए, इस तरफ कदम उठाने की जरूरत है। लोकतंत्र स्वशासन, स्वानुशासन, अपनेपन की ओर बढे।

केरल की हरियाली, जल की उपस्थिति भी मन को मोह लेती है। शिक्षा एवं पैसे में भी केरल ऊंचा स्थान रखता है मगर नशा एवं महिला हिंसा को देखकर दुःख होता है। इस बारे में केरल की जनता को जानना, समझना चाहिए। देशी, आयुर्वेद, प्राकृतिक ईलाज का भी चलन केरल में आम जनता तक भी खूब देखने को मिलता है। इसमें बढ़ोतरी हो तो बहुत अच्छा। पश्चिमी घाट में गोवा तक हरियाली की प्राकृतिक छटा आज भी देखने को मिलती है। अनेक स्थानों पर इसको चुनौती, खतरा पैदा किया जा रहा है, कुछ स्थानों पर इसको बचाने के प्रयास प्रयोग भी किए जा रहे हैं, आवाज भी बुलंद की जा रही है। आशा उम्मीद की किरण भी नजर आती है। पर्यावरण, प्रकृति के बारे में जागरूकता, सहअस्तित्व, समझ, अपनापन, जिन्दा रहने के लिये जरूरी है। प्राकृतिक जीवन की ओर बढ़ना ही मानव जाति के लिए सही रास्ता है।

कन्नूर जिले में सुदूर पहाड़ियों के मध्य मंडलम् गांव में श्रीमती सीमली बहन के यहां एक रात भोजन में पूर्णतया प्राकृतिक स्थानीय क्षेत्र के फलों का ही भोजन उपलब्ध

कराया गया। हम कुछ लोगों ने पहली बार 'काचील' 'चेम' 'अंकुरित कच्चा काजू' का स्वाद चखा। यह विशेष भोजन परोसने का ढंग भी अद्भूत है। यह भोजन पौष्टिक, स्वादिष्ट, जायकेदार, हमेशा याद रहने वाला है। और स्वादिष्ट बनाने के लिए नारियल के तेल में हरी मिर्च डालकर उसके साथ काचील खाया जाता हैं। इस घर में अनेक फलदार पेड़ भी लगे है। घर में कपिला नाम की गाय और उसके बच्चे भी है। इसे कह सकते है 'जंगल में मंगल'। प्राकृतिक भोजन का आन्नद, स्वाद के साथ साथ इससे श्रीमती सीमली बहन ने अतिथि स्वागत एवं प्राकृतिक भोजन के महत्व को बताते हुए एक अच्छा सबक दिया। यह मनभावन स्वागत अनुकरणीय है। आओ लौट चलें प्रकृति की ओर।

यात्रा में सबके चेहरे खिल उठे जब गोवा से 200 कि.मी. चलकर भाई श्री कुमार कलानंद मणि सपरिवार भाभी भारती बांदोड़कर एवं बेटी श्रद्धा भारतीय के साथ यात्रा को लेने के लिए कर्नाटक के कुमटा में पहुँचे। गोवा की सीमा पर स्वागत करने से पहले कर्नाटक में ही यात्रा में शामिल हो गए। साथियों का ऐसा प्यार भर व्यवहार उत्साह, अपनापन मिले तो फिर क्या चाहिए। कुमटा के रोटरी क्लब क कार्यक्रम पूरा कर यात्रा गोवा की ओर बढ़ी यहां से यात्रा में दो गाड़ियां चली। आग आगे यात्रा का मार्गदर्शन, स्वागत करती गोवा की गाड़ी तथा पीछे पीछे यात्रा वाहन

इस प्रकार यात्रा का पहला चरण उत्साह के साथ पूर्णता की ओ बढ़ रहा है तथा नए अनुभव, अ याय खोल रहा है, कुछ औ नया करने का जोश भर रह है।

29 अप्रैल, 2017 को लगभग रात्रि 10 बजे यात्रा पीसफुल सोसाएटी, गोवा पहुंची 30 अप्रैल को 'बा बापू 150' प्रदर्शनी का आयोजन हुआ और समापन कार्यक्रम क संचालन श्रद्धा भारती ने किया। पीसफुल सोसाएटी द्वारा स्कूली बच्चों का गांध

दर्शन एवं चिंतन विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा के विचारों को सुनकर तसल्ली हुई और आशा जगी कि बा बापू समय के साथ अधिक सार्थक एवं सशक्त रूप में नई पीढ़ी में ज़िंदा हैं।

बा बापू 150 गोवा के लोगों के कौतुहल का विषय रहा लेकिन उनकी भागीदारी एवं जोश ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि गोवा कन्याकुमारी से कम नहीं है और गांधी जी सभी जगह समान रूप से व्याप्त हैं। यात्रा के इस चरण के अन्त में कुमार कलानंद मणि ने सभी का धन्यवाद किया और अपने विचार रखते हुए यात्रा का अन्य चरण जो कि सांवतवाड़ी से साबरमती आश्रम तक होगा उसमें भागीदारी हेतु लोगों को आमन्त्रित किया।

यात्रा के दौरान कुछ ऐसी घटनाऐं भी हुई जिनकी वजह से कई बार मन विचलित हुआ जिनका वर्णन करना भी आवश्यक है, तो उत्साह बढ़ाने वाली घटनाएं अनेक हुई।

यात्रा के प्रारम्भ में एक दिन पहले ही मालूम हुआ कि वाहन को मरम्मत की जरूरत आ पड़ी है इसलिए पहले दिन यात्रा वाहन का उपलब्ध होना तथा पहुँचना कठिन है। ऐसे में चिन्ता होना स्वाभाविक है। क्या किया जाए, कैसे किया जाए, क्या होगा जैसे अनेक प्रश्न मन में घूम रहे थे। तभी सूचना प्राप्त हुई कि तमिलनाडु से यात्रा कार्यक्रम हेतु दो बसें आ रही है, केरल से पंकज भाई एक टेम्पो ट्रेवलर लेकर आ रहे है तथा डा. जैकब यात्रा वाहन का इंतजार करने के बाद अपनी कार से कन्याकुमारी के लिए निकल पड़े है, इससे हमें बहुत बड़ी राहत महसूस हुई और एक वाहन के स्थान पर यात्रा के लिए अब अनेक वाहन कन्याकुमारी पहुँच रहे हैं, यह जानकारी पाकर खुशी हुई। पूरी रात का सफर तय करके सुबह सवेरे डा. जैकब कन्याकुमारी पहुँच गए, जबकि दोनों बसें तो रात को ही पहुंच गई थी तथा टेम्पो ट्रेवलर भी समय से पूर्व ही पहुंच गया।

इसके बाद फिर चिन्ता बढ़ाने वाली एक सूचना और प्राप्त हुई कि यात्रा कार्यक्रम के लिए जिस गाड़ी से श्री कुमार कलानंद मणि आ रहे है वह छः घंटे विलम्ब से गोवा से चलेगी, चिन्ता बनी थी कि कार्यक्रम के समय पहुँचेंगे या नहीं मगर देर आए दुरूस्त आए की तर्ज पर कलानंद भाई की गाड़ी ने कुछ जोर लगाया और अंत में समय पर कार्यक्रम में गांधी मंडपम् में उनकी भागीदारी हो सकी। कार्यक्रमों में ऐसी परीक्षाएं तो होती ही रहती है। योजना के बावजूद भी कई प्रकार के सवाल, प्रश्न, चुनौती कभी भी खड़ी हो सकती है मगर रास्ते भी बन जाते है। समय स्थिति स्थान आदि का भी अपना महत्व है। 'हिम्मत से पतवार संभालो, फिर क्या दूर किनारा'। समस्या–समाधान दोनों का अच्छा तालमेल बैठ जाता है अगर हम सत्य, निष्ठा, संकल्प, दृढ़ निश्चय पर खड़े हो तो निश्चित ही राह बन ही जाती है। 'जिन खोजा तिन पाईयां।

यह जानकर अच्छा लगा कि अनेक साथी बा बापू 150 यात्रा में भाग लेना चाहते है, शामिल होना चाहते है मगर यात्रा एवं वाहन की अपनी मर्यादा सीमा है इसलिए उन साथियों से क्षमा मांगनी पड़ी। उनकी इच्छा रूचि को देखकर अपना उत्साह बढ़ा, खुशी हुई, हिम्मत जगी। धन्यवाद,सलाम साथियो, जज्बा बनाकर रखें और अपने क्षेत्र में भी कार्यक्रम की योजना बनाएं, यह आप से अनुरोध है।

यात्रा में स्थानीय स्तर पर अनेक संगठनों, समूहों, संस्थाओं, विचारों, राजनैतिक दल के साथियों ने भागीदारी की मगर एक भी स्थान पर ऐसा नहीं लगा कि यह किसी दल विशेष का कार्यक्रम है या किसी एक की ओर झुका हुआ है। हर जगह मध्य में बा बापू यात्रा एवं गांधीजी ही रहे। कुछ दलों के तो पदाधिकारी नेता प्रमुख लोग भी यात्रा के कार्यक्रम में आए मगर उनका आभार, शुक्रिया, धन्यवाद कि उन्होंने दलगत राजनीति को यात्रा के मध्य नहीं घसीटा। यात्रा कार्यक्रम में एक साथ विभिन्न दलों से जुड़े लोग भी शामिल हुए मगर अपनी कोई विशेष पहचान बनाए, दिखाए बगैर। मतभेद रहते हुए भी मन भेद नहीं, संवाद जारी

रहे। ऐसे कार्यक्रम साझा हो, अपनी आस्था, विश्वास, विचार पर रहते हुए सत्य अहिंसा की कसौटी पर खरे उतरें। हम सबको मनभेद के बिना, मतभेद में जीने की कला सीखनी होगी, परस्पर संवाद प्रक्रिया समाप्त न हो। बदलाव संभव है, अपने को मजबूती से खड़ा रहना है सत्य पर, विचार पर।

यात्रा में स्वदेशी, जैविक उत्पादन, साहित्य बिक्री अधिकतर स्थानीय साथियों के द्वारा आयोजित की गई। वाहन में स्थान का अभाव था इसलिए हम अपने साथ साहित्य आदि नहीं रख सकते थे। मलयालम में गांधी जी की आत्मकथा की 25 प्रतियां साथ ले गए थे, एक ही दिन में यह प्रतियां बिक गई। यात्रा में संभव हो तो साहित्य रखना उपयोगी है मगर उसकी व्यवस्था अलग से करना उचित है क्योंकि अनेकों बार यात्रा में समय का अभाव एवं भागमभाग रहती है। साहित्य एवं अन्य सम्बंधित सामग्री यात्रा में उपलब्ध रखना उपयोगी एवं सार्थक है।

वाहन के साथ माईक व्यवस्था का होना बहुत ही सार्थक, उपयोगी, महत्वपूर्ण है। इससे कार्यक्रमों की संख्या बढ़ जाती है। अधिक लोगों तक आप अपनी बात रख सकते हैं। रास्ते में अनेक स्थानों पर सहज सभा, बैठक, बातचीत का मौका बन जाता है। गीत, घोषणा, नारे, सूचना आदि के लिए भी यह उपयोगी सिद्ध होता है।

यात्रा कन्नूर पहुंची तो यह जरूरी था कि प्रसिद्ध साहित्यकार, लेखक डा. सुकुमारन अझीकोड की समाधि स्थल, पय्यमबलम् बीच पर श्रद्धा सुमन जरूर चढ़ाएं। यात्रा के साथियों को खुशी हुई कि हम समाधि पर श्रद्धा सुमन भेंट कर सके। यह भी बा–बापू यात्रा की एक यादगार बनी।

यात्रियों में कुछ साथियों का उनके साथ संबंध संवाद पहचान बातचीत रही है। साहित्य, साहित्यकार जो जन, समाज के व्यापक मुद्दों से जुड़ा रहा हो, उसकी उपयोगिता सदा बनी रहती है, हर समय ऐसे लोगों की जरूरत बनी रहती है।

यात्रा का प्रयास रहा कि समाज के हर अंग के साथ संपर्क, संवाद स्थापित हो। यात्रा ने इस ओर यथा संभव प्रयास भी किया।

यात्रा के दौरान महानगरों के साथ साथ दूरदराज के गांवों में भी संपर्क, संवाद, बातचीत, सभा, कार्यक्रम का आयोजन करने का सौभाग्य मिला। स्थानीय साथियों के उत्साह, अपनेपन, रूचि ने यात्रा को व्यापक क्षेत्र का अनुभव प्रदान किया।

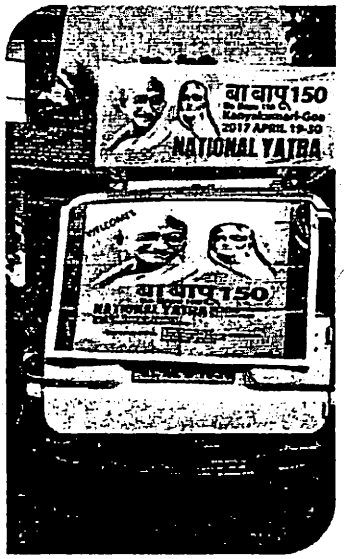

भाई डा. जैकब की उपस्थिति ने यात्रियों के लिए हर रोज नारियल पानी एवं गन्ने का रस उपलब्ध करवाया केरल का नारियल विशेष स्वाद भरा है, ताजा, उर्जा भरा पानी एवं कच्ची गिरी (मलाई) प्रत्येक यात्री को रोज उपलब्ध रही, साथ ही रोज गन्ने का रस। गन्ने का रस सड़क के किनारे जिनसे मिला अधिकतर यह लोग पंजाब के ही मिले। पंजाब से निश्चित समय के लिए समूह बनाकर यह लोग आते है और सड़क के किनारे मशीन लगाकर गन्ने का रस बेचते है। हर यात्री को ताजगी भरे नारियल और गन्ने के रस का रोज बेसब्री से इंतजार रहता था और यहां वहां इसकी उपलब्धता हो ही जाती थी। मूल्य की दृष्टि से इसके दाम अन्य जगह उपलब्ध नारियल के समान ही थे मगर केरल के नारियल की बात कुछ और ही है।

यात्रा के दौरान सावधानी, सतर्कता, समयबद्धता, स्वानुशासन, नियमितता, परस्पर सहयोग, सहकार, समय पर तैयार होना, अपनी अपनी जिम्मेवारी का ठीक से पालन करना, सहज सरल अपनेपन के माहौल के कारण सभी यात्री स्वस्थ एवं प्रसन्न रहे। किसी को विशेष कठिनाई नहीं हुई। कोई छोटी मोटी बात आई तो साथियों ने परस्पर संभाला। इस प्रकार यात्रा से बहुत कुछ सीखने, जानने, समझने, पहचानने का एक सुन्दर अवसर प्राप्त हुआ, अनुभवों की तो शानदार झड़ी ही लग गई।

सबसे बड़ी बात कि 'बा बापू 150' का संदेश पुनः ताजगी देता हुआ हजारों लोगों को फिर से इस दिशा में चिंतन, मनन एवं आचरण हेतु प्रेरित करता हुआ प्रतीत हुआ और लोगों की सहायता, सहभागिता, स्वानुशासन, अहिंसा आदि गुणों के रूप में गांधी जी आज भी सभी में जिंदा हैं परन्तु कुछ क्षेत्रों में भय, भेद, हिंसा, नशा प्रवृत्ति पर हृदय परिवर्तन एवं मुक्ति की आवश्यकता है, जिससे बा बापू को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सके।

इस प्रकार 'बा बापू 150' की प्रथम यात्रा का चरण सफलतापूर्वक अनेक अनुभव देता हुआ पूर्ण हुआ। अगले चरण की चर्चा अगले चरण में....

बागपत amarujala.com अमर उजाला

ात्राओं को सूत कातना सिखाया

ूठी के स्कूल में कस्तूरबा गांधी और महात्मा गांधी के जीवन पर प्रदर्शनी लगाई

गांधी युवा बिरादरी और समन्वय परिवार नई दिल्ली ने गांधी जी की 150 वीं जयंती वर्ष पर किया आयोजन

[illegible]

'गांधी के विचारों से युवा पीढ़ी लें प्रेर

गांधी विचार आपके द्वार शांति सद्भावना यात्रा का किया स्वागत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

फलोदी. गांधी विचार युवा वाहिनी जोधपुर की ओर से महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती वर्ष पर 11 फरवरी से शुरू हुई शांति सद्भावना यात्रा बुधवार को फलोदी क्षेत्र के कलरा एवं खारा गांव में पहुंची। जहां ग्रामीणों ने यात्रा दल का स्वागत किया। यात्रा के तहत में कलरा शरीफ मदरसा परिसर एवं खारा ग्राम में ग्रामीण विकास विज्ञान के संचालित विद्यालय परिसर में गांधी विचार आपके द्वार शीर्षक पर संगोष्ठी हुई, साथ ही विद्यालय परिसर एवं मदरसा परिसर में बापू की जीवनी पर प्रदर्शनी भी लगाई गई। यात्रा में गांधीवादी विचारधारा के इंडोनिया का एक दल भी साथ है।

फलोदी. गांधी विचार आपके द्वार शांति सद्भावना यात्रा का स्वागत करते ग्रामीण। पत्रिका

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए गांधी शांति प्रतिष्ठान दिल्ली के संस्थापक सदस्य एवं गांधीवादी विचारक रमेश भाई शर्मा ने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्श केवल अतीत में ही प्रासंगिक नहीं थे, बल्कि भविष्य में भी हमारा मार्गदर्शन करेंगे। ... शांति स्वामी ने कहा कि ... की 150वीं जयंती के ... सद्भावना यात्रा निकाल ... यात्रा का समापन 15 ... बाड़मेर में होगा। संग ... जाति, धर्म के आधा ... भेदभाव न हो, कोई ... हो, सभी लोग सुख ... मिलकर रहें। इसके लि ... के विचारों, मूल्यों को ... गांव गांव तक पहुंचा ... अवसर पर शिवकरण ... के विचारों को जीवन ... लिए प्रेरित किया। संगो ... रूप, इंडोनेशिया ... गांधीवादी कार्यकर्ता ... अम्मा मरतवा, सावित्री ... सुनील जैन गौतम, का ... तेजकरण, अशोक, ... बेगी सुखानी बीकानेर, ... भूपराम देवासी, पून ... आदि मौजूद थे। (का

छात्रों को कस्तूरबा और बापू के विचार बताए

अमर उजाला ब्यूरो

[illegible]पुर।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और उनकी पत्नी कस्तूरबा के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में प्रयत्नरत गांधी शांति मिशन प्रतिष्ठान (दिल्ली) के पूर्व वरिष्ठ सदस्य और विचार-प्रसार समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा ने तहसील क्षेत्र के कोटरा-मकरंदपुर गांव में लोगों को उनके विचारों से अवगत कराया।

उन्होंने गांव स्थित आदर्श कालिंद्री इंटर कालेज परिसर में आयोजित संगोष्ठी में छात्रों और गांव के लोगों को संबोधित किया। बताया कि बा (कस्तूरबा) और बापू (महात्मा गांधी) की 150वीं जयंती वर्ष 2019 में मनाई जानी है, जिसके लिए देश के प्रमुख स्थानों से चार राष्ट्रीय यात्राएं निकाली जा रही हैं। बताया कि पहली यात्रा बीते अप्रैल के महीने में कन्याकुमारी से गोवा तक और दूसरी 2017 में 02 से 11 अक्तूबर के बीच सेवाग्राम (महाराष्ट्र) से साबरमती (गुजरात) तक निकाली जा चुकी है। जबकि, वर्ष 2018 में तीसरी यात्रा पोरबंदर (गुजरात) से साबरमती तक और चौथी यात्रा साबरमती से बापू की समाधि स्थल (राजघाट) दिल्ली तक निकाली जानी है। बताया कि तीसरी यात्रा जनवरी 2018 में ही निकाली जानी है। जिसके तहत कसबों-शहरों और स्कूल-कालेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि गांधी जी और उनकी धर्मपत्नी कस्तूरबा की विचारधारा जन-जन के लिए उपयोगी और अनुकरणीय है। कहा कि उनका सपना भय, हिंसा, नशा और शोषण से मुक्त समाज का था। जबकि, बा और बापू ने लोगों को सत्य, शांति, सादगी, सौहार्द के साथ श्रमपूर्ण समाज की परिकल्पना से ओतप्रोत किया। कहा कि आधुनिकता के अंधानुकरण में नई पीढ़ी को बा और बापू के विचारों से [illegible] किया जाना आवश्यक है। इस [illegible] कालेज के प्रबंधक और संस्थापक [illegible] इंद्रजीत सिंह कछवाह, समाजसेवी विधायक अरविंद सिंह कुशवाहा (राजा) के अलावा अन्य कई [illegible] अपने विचार व्यक्त किए।

धूमधाम से 150वीं जयंती मनाने की तैयारी

संगोष्ठी में उपस्थित छात्र/छात्राएं।

धर्म समाज संस्था

चित्र प्रदर्शनी में दिखा बापू के लिए कस्तूरबा गांधी का प्रे[illegible]

आईआईएमटी में महात्मा गांधी चित्र प्रदर्शनी

गंगानगर। राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय एवं पुस्तकालय नई दिल्ली द्वारा गंगानगर स्थित आईआईएमटी यूनिवर्सिटी में मंगलवार को दो दिवसीय गांधी स्मृति चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। शुभारंभ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर अशोक कुमार ने महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। प्रदर्शनी में संग्रहालय से आए [illegible] रमेश भाई और सुबोध नंदन शर्मा ने बताया कि साल 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती तक पूरे देश में 150 शहरों में गांधी [illegible] द्वारा गांधी स्मृति चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में बापू की जीवन की जीवंत झलक देखी जा सकती है। [illegible] बोस का [illegible] गांधी के [illegible] दुर्लभ चित्र प्रदर्शनी में [illegible] ने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी से [illegible] अवसर मिलता है। [illegible]

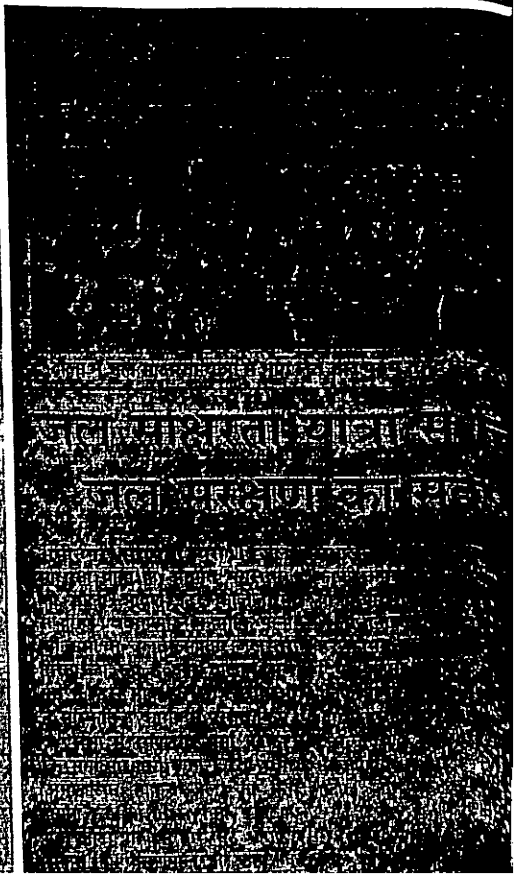

...आठ राज्यों से गुजरी जल साक्षरता यात्रा पूरी

...संवाददाता, बागपत : भारत ... जल बिरादरी के तत्वावधान ... को बागपत के डौला गांव से शुरू ... जल साक्षरता यात्रा आठ राज्यों से ... 24 अगस्त को डौला गांव में ... संपन्न हुई। जल बिरादरी के ... उप्र के अध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, ... पर्यावरणविद् रमेश चंद शर्मा तथा ... सिंह ने जल साक्षरता का नेतृत्व ... जल साक्षरता यात्रा के दौरान 48 ... आयोजित कर लोगों को पानी ... का समझाया।

... बिरादरी कृष्णपाल सिंह ने ... दिल्ली और कर्नाटक में ... पुरस्कार प्राप्त जल पुरुष राजेन्द्र ... जल साक्षरता यात्रा में हिस्सा ... और लोगों से पानी बचाने की ... की। यूपी के डौला से कर्नाटक ... तक पांच हजार किमी पैदल ... लोगों को पानी बचाने को प्रेरित ...।

... दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, ... महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत ... में जल साक्षरता यात्रा में ... लोगों ने सेमिनार का आयोजन ... नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी ... और ... अधिकारी ...

जल साक्षरता यात्रा का समापन फोटो • अमर उजाला

शामिल लोगों को पानी बचाने को प्रेरित किया।

... समय डौला में जल साक्षरता यात्रा के समापन पर कृष्णपाल सिंह ने अपना अनुभव बांटते हुए कहा कि यूं तो अब हर राज्य में लोग पानी का महत्व समझने लगे हैं, लेकिन महाराष्ट्र और कर्नाटक के लोग काफी ज्यादा जागरूक हैं। लोगों ... कहा कि पानी की बर्बादी नहीं रोकी तो ... बुंदेलखंड बनते देर ... नहीं लगेगी।

पश्चिम उप्र अति भूजल दोहन से ... खतरे के निशान को पार कर गया है। अब सामाजिक ... छोड़कर हर किसी को पानी बचाने के काम में जुटना होगा। खुद पानी बचाना होगा तथा दूसरों को प्रेरित करना होगा। जल साक्षरता यात्रा में रवि प्रताप सिंह, कुलदीप सिंह और अनुज कुमार समेत अनेक लोग शामिल रहे।

यात्रा का मकसद

जल बिरादरी के ... कृष्णपाल सिंह डौला ने ... के नाम ... मुक्त भारत का निर्माण ... करना तथा ... को ... से जोड़ना है। ... समाज ... सभी मिलकर कार्य करें। ... समाज को जोड़ना है। ... को जीवित ... समेत ... नदियों को ... निर्मल बनाना है।

इन नदियों से हुआ सामना

जल साक्षरता यात्रा में शामिल लोगों ने रास्ते में पड़ने वाली यूपी में काली, कृष्णा, यमुना, हिंडन तथा हरियाणा ... नदी, राजस्थान में रूपारेल नदी, भगाणी नदी, ... नदी, ... नदी, सुखरिया नदी और ... नदी को बचाने के लिए ... को प्रेरित किया। गुजरात में ... पूर्णा, अम्बिका, ... नदी संरक्षण के लिए लोगों को ... महाराष्ट्र में अग्रणी, ... नदी, ... और ... नदी के संरक्षण को ... लोगों को प्रेरित किया गया।

जंतर-मंतर पर आ... के साथ करेंगे प्रद...

सम्मेलन में मौजूद अतिथि और आशा, उषा व सहयो...

नगर निगम के कम्युनिटी हाल में हुआ संभागीय सम्मेलन का आयोजन

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

कटनी. नगर निगम के कम्युनिटी हाल में आशा, उषा व सहयोगिनी का संभागीय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोसपा के राष्ट्रीय संरक्षक रघु ठाकुर, गांधीवादी विचारक रमेशचंद्र शर्मा मौजूद थे।

सम्मेलन में आशा, उषा व सहयोगिनी की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। साथ ही तय किया गया कि विधानसभा सत्र के दौरान भोपाल में प्रदर्शन किया ... जाएगा तो ... दिल्ली में जंतर-मंतर पर आशा, ...

उषा व सह... लोसपा प्र... अलावा प्र... 100 पोस्ट... को लिखें... जिलों में... निकालकर... आयोजित... लिया गया... गांधीजी के... समय तक... लगाई जाई... लोगों ... इस दौ... रतेश परो... पटेल, ... ललू, ... नामदेव... ... सहयोगिनि...

...य, भूख, भ्रष्टाचार मुक्त समाज हेतु प्रदर्शनी

बैंक की नौकरी छोड़ समाज में जागृति फैला रहे बुजुर्ग शर्मा

नवभारत न्यूज़

17 मई. भय, हिंसा, नशा, शोषण मुक्त समाज के सत्य, शांति, सादगी, ... और श्रमपूर्ण समाज के ... के लिए बैंक की नौकरी ... कर बा-बापू पर केंद्रित प्रदर्शनी को देश भर में 68 ... रमेशचंद्र शर्मा लगा रहे ...

... राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ... जन्म जयंती 2019 के ... में पिछले तीन वर्षों से वी ... प्रदर्शनी के माध्यम से ... विभिन्न स्थानों में जा रहे हैं। ... उद्देश्य भी उपरोक्त बताए ... है। उन्होंने बताया कि ... कन्याकुमारी से गोवा और ... के ... से गुजरात ...

... के ... के विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी के माध्यम से ... के बारे में लोगों को ... से ... अवगत कराया था। राजस्थान में भी प्रदर्शनी लगाई जा चुकी है। पिछले दिनों से बिहार और राजस्थान में ... प्रदर्शनी लगाई गई है।

उनके अनुसार वे अब तक दुनिया के दस देशों की यात्रा कर चुके हैं और देश के 13 राज्यों में तो प्रदर्शनी लगा चुके हैं। जब उनसे पूछा गया कि ... गांधी के ... की प्रदर्शनी में ... किया ... गया तो उन्होंने बताया कि ... स्वयं ... थे ... के निर्माण में ... भूमिका ... है। ... तीन पीढ़ी से ... जिसमें ...

... भय, भाषा। जबकि उनके ... ये तीनों ... उनका ... किया। नगर के ... में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ ... द्वारा ... शिक्षा के ... श्री ... तिवारी, समाजसेवी ... ठाकुर, श्रीमती ... ने ... किया। कार्यक्रम का संचालन श्री ... प्रसाद ने किया। प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व ... अतिथि के ... सिंह ... मिश्रा ... अधिकारी ... सहित ...

बापू की 150 वी जयंती अभियान के तहत गांधी विचार आपके द्वार कार्यशाला

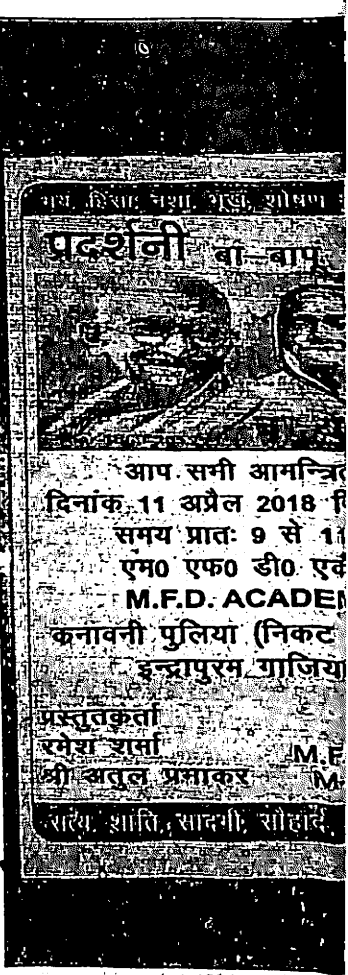

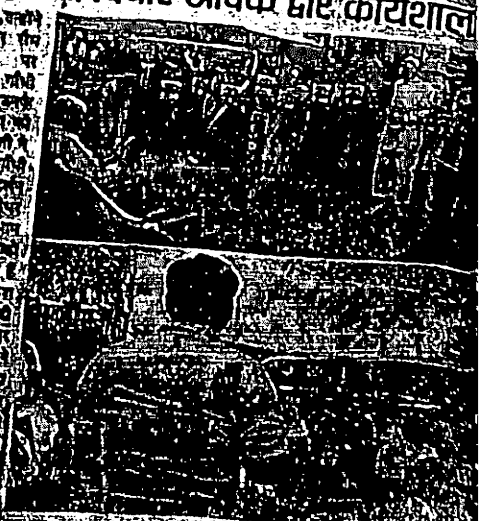

બા-બાપુ ૧૫૦
Ba Bapu 150

बा बापू
Ba Bapu 150

बा-बापू के 150-वर्ष के उपलक्ष्य में
जल साक्षरता यात्रा

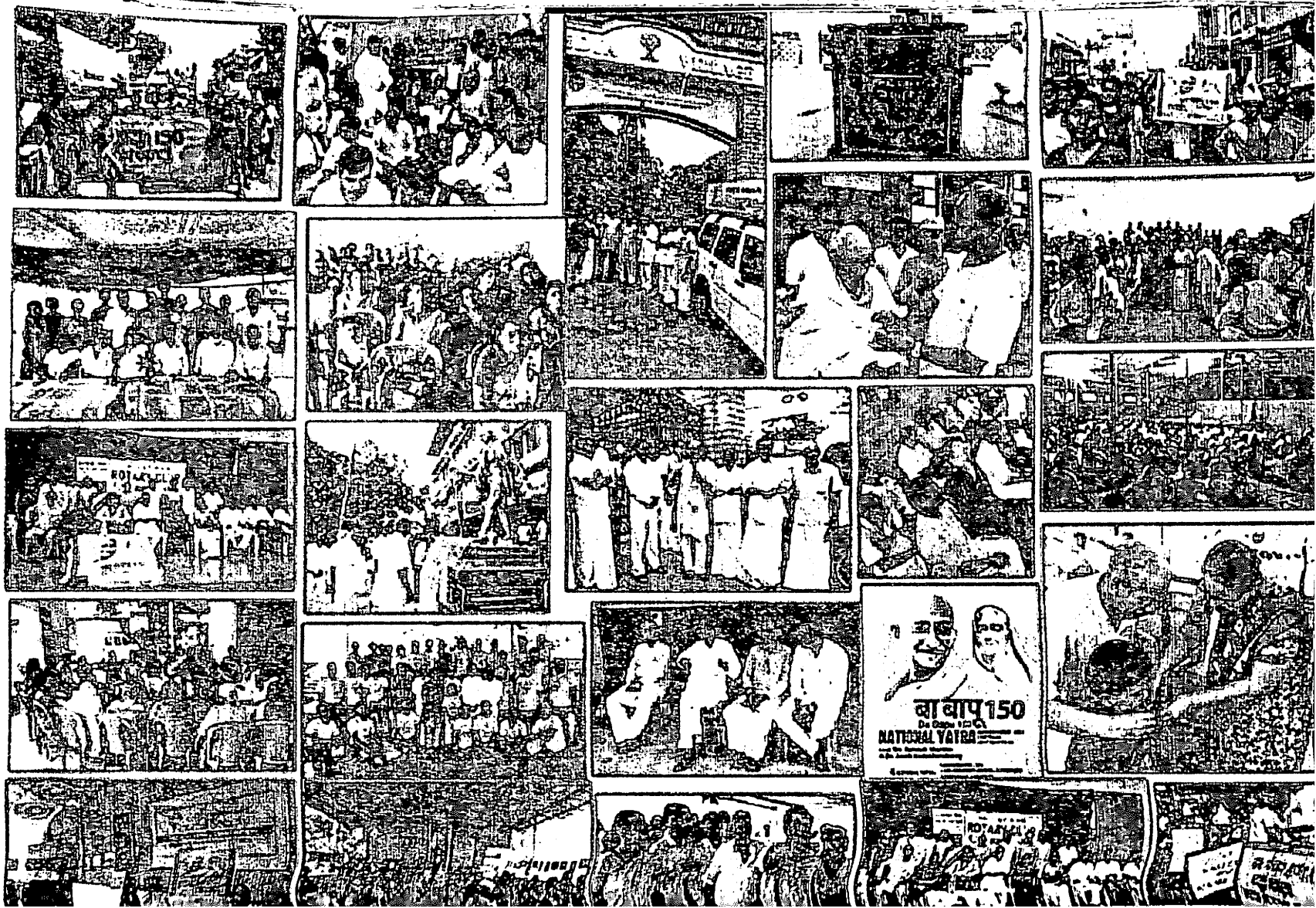
बा बापू 150
NATIONAL YATRA

सात सामाजिक बुराइयाँ

- सिद्धान्त रहित राजनीति
- परिश्रम रहित धनोपार्जन
- विवेक रहित सुख
- चरित्र रहित ज्ञान
- सदाचार रहित व्यापार
- संवेदना रहित विज्ञान
- वैराग्य विहीन उपासना